राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–88/2026

राज्यपाल ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की गतिविधियों की समीक्षा की

पटना 23 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार लोक भवन में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा करते हुए सभी विश्वविद्यालयों को समर्थ पोर्टल के सभी मॉड्यूल्स प्राथमिकता के आधार पर अपनाने तथा शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एकसमान कैलेंडर लागू करने का निदेश दिया।

उन्होंने एन०सी०सी० एवं एन०एस०एस० के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की योजनाओं से जोड़ने, विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने वाले पूर्ववर्ती विद्यार्थियों का डाटाबेस तैयार करने तथा विश्वविद्यालयों के माध्यम से टी०बी० मुक्त बिहार हेतु व्यापक जन–जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया।

पुस्तकालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रासंगिक पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निदेश देते हुए राज्यपाल ने कहा कि ई–लाइब्रेरी में उपलब्ध नई पुस्तकों एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं की जानकारी विद्यार्थियों को एस०एम०एस० के माध्यम से नियमित रूप से दी जाए। उन्होंने सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क की सुविधाओं का लाभ सभी विद्यार्थियों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि 'शोध गंगा' पोर्टल पर अपना शोध–प्रबंध अपलोड करने वाले विद्यार्थियों को ही पीएच०डी० की डिग्री प्रदान की जाए।

राज्यपाल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को सेवांत लाभों का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने तथा शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को समय पर वेतन भुगतान करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि उपयोगिता प्रमाण–पत्रों के समुचित प्रेषण एवं बजट की समय पर उपलब्धता की जिम्मेदारी कुलपति, कुलसचिव एवं वित्तीय सलाहकार की होगी। उन्होंने विभिन्न जिलों में नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देने का भी निदेश दिया।

बैठक के दौरान राज्यपाल ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की समर्थ टीम को विश्वविद्यालय में इस पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल्स के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय बिहार का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने समर्थ पोर्टल के सर्वाधिक 17 प्रमुख मॉड्यूल्स सफलतापूर्वक लागू किए हैं।

....